वर्ष :-1

अंक:-280

21.11.2025

शुक्रवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

गाँधी मैदान में नवनिर्वाचित सरकार का शपथ ग्रहण

नीतीश ने संभाली 10 वीं बार मुख्यमंत्री की कमान

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में गुरुवार को ऐतिहासिक गाँधी मैदान में नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह का आयोजन सुबह 11:30 बजे किया गया, जिसके लिए पूरे मैदान में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शपथ के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताते हुए उनके आगमन के लिए धन्यवाद

नए मंत्रिमंडल में जिन नेताओं ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली, उनमें सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विजय कुमार चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय, डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, मदन सहनी, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, मो. जमा खान, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेन्द्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, प्रमोद कुमार, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश शामिल हैं।

समारोह में देशभर के कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। उपस्थित प्रमुख अतिथियों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, जीतन राम मांझी, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, चिराग पासवान, अर्जुन राम मेघवाल, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा शामिल थे।

इसके अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, राजस्थान के भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, ओडिशा के मोहन चरण मांझी और त्रिपुरा के माणिक साहा भी उपस्थित रहे।

समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित बड़ी संख्या में सांसद, विधायक, विधान पार्षद, राजनीतिक कार्यकर्ता और आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में नए सियासी अध्याय की शुरुआत को लेकर उत्साह दिखा। शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचकर प्रधानमंत्री को विदाई देने पहुंचे।

कैबिनेट में श्रवण कुमार की वापसी पर बेन गांव में उत्सव का माहौल

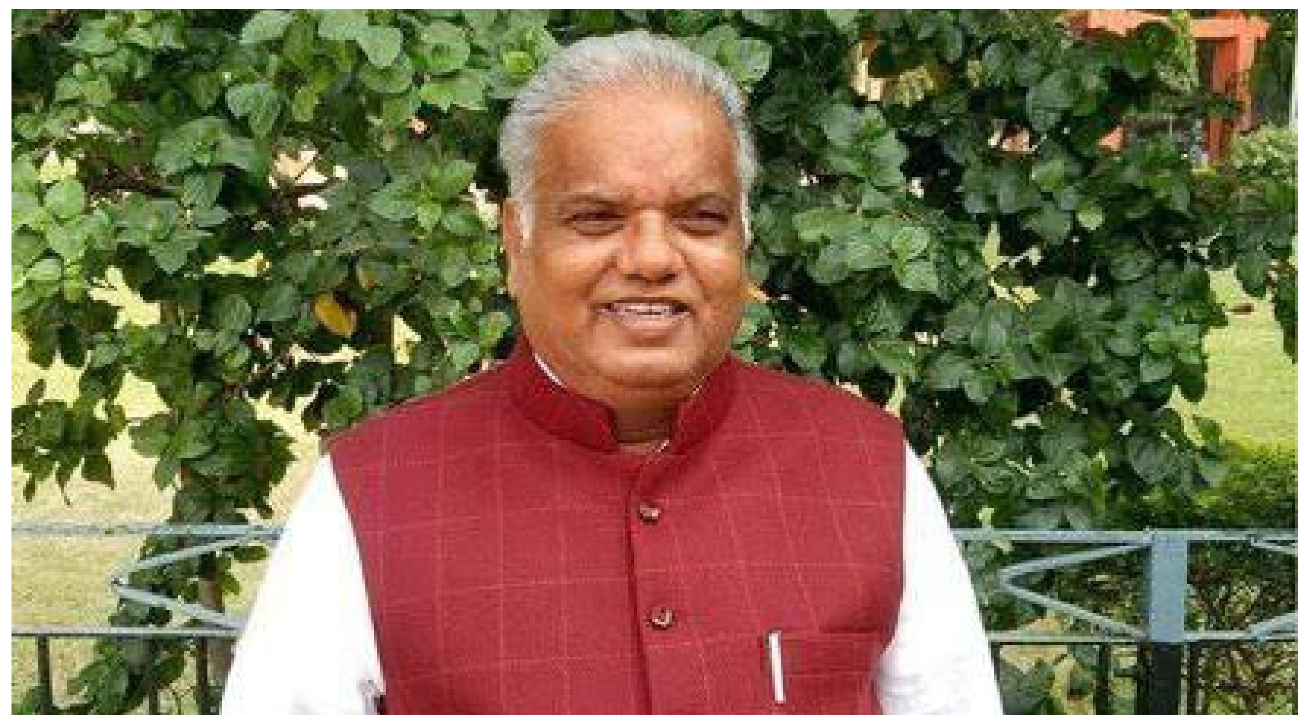

सुधीर कुमार

बेन (अपना नालंदा)। नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में बेन प्रखंड के सुपुत्र श्रवण कुमार को एक बार फिर कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की खुशी में उनके पैतृक गांव बेन में जश्न का माहौल छा गया। गुरुवार को शपथ ग्रहण के बाद पूरे गांव में ढोल-नगाड़े बजे, मिठाइयाँ बांटी गईं और लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार किया। गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक, सभी श्रवण कुमार के मंत्री पद पर वापसी से अत्यंत उत्साहित दिखे।श्रवण कुमार का जीवन संघर्ष और कर्मठता का एक प्रेरक उदाहरण है। उनका बचपन बेन गांव में बीता और प्रारंभिक शिक्षा भी इसी गांव में हुई। उन्होंने मैट्रिक की पढ़ाई बगल के गुरुशरणपुर हाई स्कूल से पूरी की। छात्र जीवन से ही वे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से प्रेरित होकर सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय होने लगे। आर्थिक रूप से अत्यंत साधारण परिवार से होने के बावजूद उन्होंने कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना किया और कभी पीछेमुड़कर नहीं देखा। रहते हैं। चाहे किसी परिवार का संकट हो या गांव में कोई आयोजन—वे बिना भेदभाव हर मौके पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। यही उनका मानवीय व्यवहार उन्हें आज भी जनता का सच्चा नेता बनाता है।

एनडीए सरकार गठन के साथ ही जब उन्हें दुबारा कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाई गई तो पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने कहा कि श्रवण कुमार के अनुभव, समर्पण और प्रशासनिक क्षमता से नालंदा का विकास और तेज़ी से होगा। उनका कहना है कि श्रवण कुमार जिस भी विभाग को संभालते हैं, वहां विकास योजनाओं का क्रियान्वयन तेज़ी से होता है।

1994 के समता पार्टी आंदोलन से जुड़ने के बाद से ही वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विश्वसनीय सहयोगी रहे हैं। जदयू में उन्हें दूसरे नंबर का सबसे प्रभावशाली नेता माना जाता है। उनकी पकड़ न सिर्फ नालंदा, बल्कि

लगातार जनसमर्थन और जनता के विश्वास की बदौलत वे लगातार आठवीं बार नालंदा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। इसके साथ ही वे कई बार मंत्री पद पर भी सुशोभित हो चुके हैं। लोगों से सरलता, ईमानदारी, सहज संवाद और हर घर तक पहुंचकर समस्याएं सुनने की उनकी शैली ने उन्हें नालंदा में सबसे लोकप्रिय नेता बना दिया है। यही कारण है कि तीन दशक से उनके खिलाफ कोई मजबूत प्रतिद्वंदी खड़ा नहीं हो पाया।

गांव वालों ने बताया कि श्रवण कुमार का लोगों से जुड़ाव इतना गहरा है कि वे दुःख-सुख के हर मौके पर जनता के बीच मौजूद पूरे बिहार में मजबूत मानी जाती है। वे वर्षों से ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे कई विभागों की योजनाएं अपने क्षेत्र तक लाने में सफल रहे हैं।

1995 में पहली बार समता पार्टी के टिकट पर विधायक बने श्रवण कुमार आज भी जनसेवा के प्रति उतने ही प्रतिबद्ध हैं। गुरुवार को मंत्री पद की शपथ लेते ही पूरे नालंदा में उत्साह फैल गया, जबकि बेन गांव में लोगों ने खुशी में जयकारे लगाए और कहा कि उनका बेटा एक बार फिर नालंदा के विकास को नई दिशा देगा।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK 3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

अपना नालदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

बिहार विकास की बड़ी छलाँग के लिए तैयार: मंत्री नितिन नवीन का संकल्प

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बांकीपुर विधानसभा सीट से लगातार पाँचवीं ऐतिहासिक जीत हासिल करने और बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने के बाद मंत्री नितिन नवीन ने बिहार के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि बिहार विकास की नई ऊँचाइयों को छूने के लिए बड़ी छलाँग लगाए।

मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के पास स्पष्ट रोडमैप और मजबूत दृष्टि है। उन्होंने कहा कि विकसित बिहार का सपना तभी साकार होगा जब राज्य में रोजगार के अवसर युवाओं, पुरुषों और महिलाओं सभी के लिए सहज और विस्तृत रूप से उपलब्ध होंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एकजुट होकर विकास यात्रा में सहयोग दें, क्योंकि सामूहिक प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव पूरे राज्य में दिखाई देगा।

उन्होंने कहा कि जनता का जनादेश सिर्फ जीत नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है, जो यह सुनिश्चित करती है कि सरकार हर नागरिक के बेहतर भविष्य के लिए ईमानदारी से काम करती रहे। बांकीपुर की जनता ने जिस विश्वास और समर्थन के साथ उन्हें पुनः विजयी बनाया है, उसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया।

नितिन नवीन ने कहा कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद के साथ क्षेत्र में विकास कार्यों को और तेज गति दी जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बिहार एक मजबूत और विकसित राज्य के रूप में उभर सके।

पटना पुस्तक मेला 2025: साहित्य, कला, स्वास्थ्य और युवा ऊर्जा का भव्य सांस्कृतिक महोत्सव

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। सेंटर फॉर रीडरशिप डेवलपमेंट (सीआरडी) द्वारा आयोजित 41वां पटना पुस्तक मेला 5 से 16 दिसम्बर 2025 तक गांधी मैदान में आयोजित होगा। इस वर्ष पुस्तक मेला देश के चर्चित कथाकार अवधेश प्रीत को समर्पित है। इसकी जानकारी सीआरडी अध्यक्ष एवं साहित्यकार रत्नेश्वर ने दी।मेला में इस बार तीन सौ से अधिक नए कार्यक्रम होंगे, जिनमें तेरी-मेरी प्रेम कहानी, मुशायरा, कवि सम्मेलन, ज्ञान और गुरुकुल, संपादक से संवाद, युवा स्वर, सिनेमा-उनेमा, जनसंवाद, कला दीर्घा और स्कूल उत्सव इस बार की थीम 'वेलनेस—ए वे ऑफशामिल हैं। लाइफ' पर राष्ट्रीय स्तर का स्वास्थ्य-संवाद आयोजित होगा, जिसमें डॉक्टर विकास शंकर के संयोजन में देश के प्रमुख चिकित्सक विभिन्न विषयों पर श्रोताओं से संवाद करेंगे।

प्रभात रंजन के संयोजन में जानकीपुल का चर्चित राष्ट्रीय पुरस्कार 'शशिभूषण द्विवेदी सम्मान' भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही पटना लिटरेरी फेस्टिवल के सहयोग से राष्ट्रीय मुशायरा और लोकप्रिय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

सिनेमा-उनेमा फिल्म फेस्टिवल के तहत प्रतिदिन फीचर फिल्म, शॉर्ट फिल्म और वृतचित्र दिखाए जाएंगे तथा फिल्म विशेषज्ञों से संवाद होगा। कला दीर्घा में 'बिहार की पहचान' थीम पर युवा और वरिष्ठ कलाकारों की प्रदर्शनी लगेगी।

नुक्कड़ नाटक, 'किताब के शब्द उच्चरित हुए', कैंपस कार्यक्रम, एपिक क्विज, डिबेट और अन्य युवा-केंद्रित प्रतियोगिताओं में हजारों छात्र भाग लेंगे।

मेला में लगभग 200 स्टॉल होंगे, जिनमें प्रभात, राजकमल, वाणी, भारतीय ज्ञानपीठ सहित देश के प्रमुख प्रकाशक भाग ले रहे हैं।

इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेस ने उनके योगदान और त्याग को किया नमन

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। भारत रत्न एवं देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने की।

इस अवसर पर राजेश राम ने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी न केवल भारत, बल्कि विश्व राजनीति की सशक्त नेता थीं। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत नेतृत्व ने भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई। 1971 के युद्ध में उनकी रणनीति और साहस ने विश्व का भूगोल बदल दिया तथा पाकिस्तान के लगभग एक लाख सैनिकों को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर किया, जो इतिहास का सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण माना जाता है।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में गरीबी हटाओ अभियान, बैंकों का राष्ट्रीयकरण और प्रीवी पर्स समाप्त करनेजैसे ऐतिहासिक फैसले लिए, जिससे देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना मजबूत हुई। राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए उन्होंने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदानदिया, जिसे देश हमेशा याद रखेगा।

कार्यक्रम में नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम स्थित इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जयंती कार्यक्रम में डॉ. मदन मोहन झा, अवधेश कुमार सिंह, कपिलदेव प्रसाद यादव, जमाल अहमद भल्लू, राजेश राठौड़, सौरभ सिन्हा, चंद्र प्रकाश सिंह, रौशन कुमार सिंह, कुमार आशीष सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे तथा सभी ने स्व. इंदिरा गांधी के योगदान को याद करते हुए देशहित में उनके आदर्शों का पालन करने का संकल्प लिया।

नीतीश सरकार के शपथ समारोह को ऐतिहासिक बताते हुए प्रेम कुमार ने दी बधाई

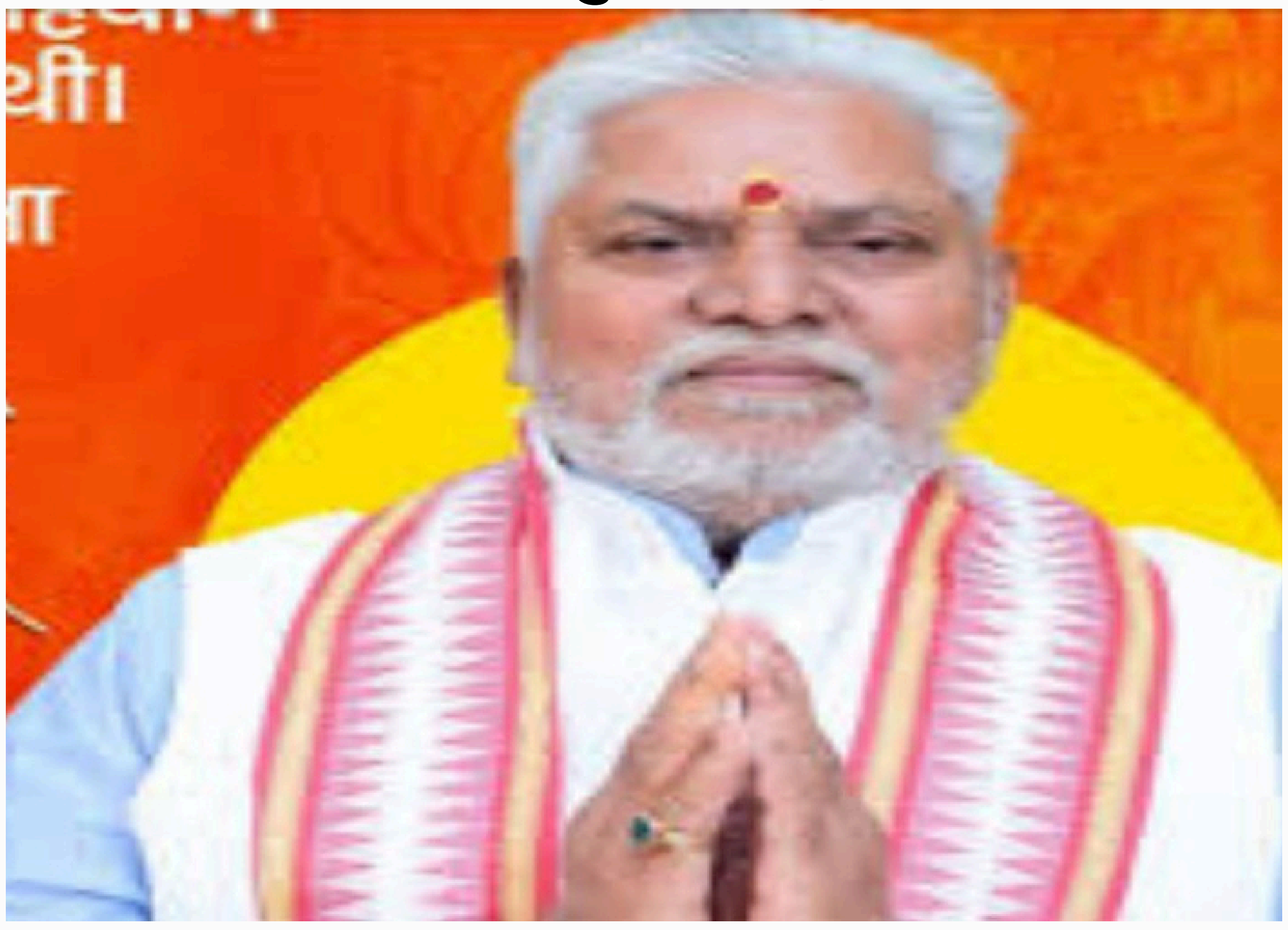

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार भाजपा के वरीय नेता, पूर्व मंत्री और गया शहर से लगातार नौ बार के विधायक रहे डॉ. प्रेम कुमार ने ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को रिकॉर्ड बनाने वाला क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दसवीं बार और गांधी मैदान में चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रचा है।

उन्होंने भाजपा, जदयू, लोजपा, हम और रालोमों कोटे से शामिल सभी नए मंत्रियों तथा सभी निर्वाचित विधायकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि नई सरकार पर उन्हें पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व मेंमंत्रीमंडल के सभी सदस्य बिहार को और तेज गति से विकास के रास्ते पर ले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए के प्रति भरोसा दिखाया है और यह सरकार उस विश्वास पर खरा उतरेगी। दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में राज्य के विकास को नई ऊर्जा मिलेगी।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पांच 'पांडव' एनडीए द्वारा किए गए वादों को पांच वर्षों में पूरा कर नया इतिहास रचा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में बिहार सरकार भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

अंत में उन्होंने आशा जताई कि नई सरकार बिहार को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी और राज्य की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेगी।

हार्वेस्टर से कटाई-मिसाई जोरों पर, किसानों ने कहा—समय और पैसे की बचत

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में इस बार धान कटाई-मिसाई के लिए आधुनिक हार्वेस्टर मशीनों का व्यापक उपयोग हो रहा है। लगभग 12 हार्वेस्टर मशीनें किसानों के खेतों में लगातार काम कर रही हैं। हार्वेस्टर की खासियत यह है कि धान कटते ही उसी समय मिसाई भी हो जाती है, जिससे किसानों का समय बचता है और बारिश जैसी परेशानियों से भी राहत मिलती है।

पुरानी पद्धति में धान काटने के बाद उसे खेत में सुखाना, फिर खलिहान तक ले जाना और अलग से मिसाई कराना पड़ता था, जिससे मेहनत और खर्च दोनों बढ़ जाते थे। लेकिन अब अधिकांश किसानों ने नई तकनीक को अपनाते हुए हार्वेस्टर से कटाई-मिसाई और बोरियों में पैकिंग तक का पूरा काम एक साथ कर लेना शुरू कर दिया है। सासाराम और आसपास केक्षेत्रों से भी किसान हार्वेस्टर बुलाकर अपनी फसल की कटाई करवा रहे हैं।

हार्वेस्टर मशीन के सहयोगी ने बताया कि इ मशीन की कीमत 32 से 35 लाख रुपये तक होती है। ये छह सिलिंडर और 100 एचपी से अधिक क्षमता वाले होते हैं। कटर बार की चौड़ाई 15 से 16 फीट रहती है। किसानों से इसके लिए प्रति बिगहा लगभग 1300 रुपये लिए जा रहे हैं, जबकि कटाई के बाद फसल घर पहुँचाने के लिए प्रति टीप ट्रैक्टर पर 400 रुपये लगते हैं।किसानों ने बताया कि इस बार बारिश की वजह से धान की पैदावार कम हुई है। पिछली बार जहां प्रति बिगहा 33 से 35 मन उत्पादन हो रहा था, वहीं इस बार लगभग 15 मन ही मिला है। संपूर्णा, कुबेर, कंचन जैसी वैरायटी की खेती करने वाले किसानों का कहना है कि हार्वेस्टर से कटाई से समय, मेहनत और पैसे तीनों की बचत हो रही है।

थरथरी में देशी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार, ग्रामीणों ने पकड़ा

थरथरी (अपना नालंदा)। थरथरी थाना क्षेत्र के अमेरा पंचायत के दिरीपर गांव में बुधवार की देर शाम एक युवक को देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान अतवल विगहा निवासी 19 वर्षीय काजू कुमार उर्फ रंजन के रूप में हुई है।ग्रामीणों के अनुसार, घटना की शुरुआत उस समय हुई जब काजू कुमार की बाइक से दिरीपर गांव में एक बच्ची को हल्की चोट लग गई। इस घटना को लेकर बाइक चालक और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने के बाद काजू कुमार धमकी देते हुए अपने गांव लौट गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि देर शाम काजू दोबारा अपने कुछ साथियों के साथ दिरीपर गांव पहुंचा और उसके पास लोडेड देशी कट्टा था। गांव में प्रवेश करने से पहले उसने हवाई फायरिंग भी की, जिससे गांव में दहशत फैल गई। हालांकि ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए उसे घेरकर पकड़ लिया और तुरंत थरथरी थाना पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को देशी कट्टा व कारतूस के साथ हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय को सुपुर्द कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने कहा कि समय रहते युवक को पकड़ लेने से किसी बड़ी घटना को टाला जा सका। फिलहाल पुलिस उसके साथियों और हथियार की सोर्स की भी जांच कर रही है।

बिहार में सम्राट चौधरी का उभार भाजपा की जातीय-संगठनात्मक राजनीति को नई दिशा देता

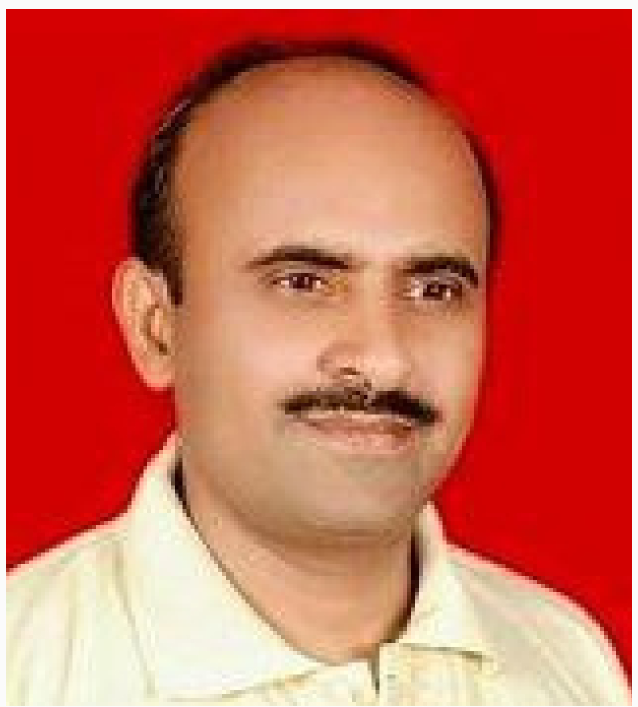

कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बिहार में भाजपा विधायक दल ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक बार फिर विधायक दल का नेता चुना है, जबकि विजय सिन्हा को उपनेता बनाया गया है। यह फैसला सिर्फ औपचारिकता नहीं है, बल्कि इस तथ्य की पुष्टि है कि गुजरात के पूर्व राज्यपाल कैलाशपति मिश्रा और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के बाद सम्राट चौधरी अब भाजपा के तीसरे बड़े और सबसे प्रभावशाली चेहरों में मजबूती से उभर चुके हैं। उनकी सियासी दूरदृष्टि, जातीय गणित पर पकड़ और संगठनात्मक अनुभव ने उन्हें बिहार की राजनीति में लम्बी पारी खेलने योग्य नेता बना दिया है।

व्यापक राजनीतिक अनुभव उनकी बड़ी ताकत

सम्राट चौधरी लगभग 25 वर्षों से RJD, JDU और भाजपा जैसे प्रमुख दलों में सक्रिय रहे हैं। परबत्ता और तारापुर से विधायक रहने के बाद वे मंत्री और एमएलसी भी बने। क्षेत्रीय जनता से उनका सतत संपर्क उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रहा है। तारापुर और परबत्ता—दोनों क्षेत्रों में जनसंपर्क बनाए रखने की उनकी क्षमता उन्हें भरोसेमंद और सुगम नेता बनाती है। यह अनुभव उन्हें संगठन के हर स्तर पर प्रिय और प्रभावशाली बनाता है।

ओबीसी और "लव-कुश" समीकरण में उनकी मजबूत पकड़

सम्राट चौधरी कुशवाहा (कोइरी) समुदाय से आते हैं—जो बिहार के ओबीसी वर्ग में सबसे प्रभावी वोट समूहों में से एक है। यह समुदाय राज्य की आबादी का लगभग 6–7% हिस्सा है और हमेशा चुनावी परिणामों में निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। भाजपा ने नीतीश कुमार के विपक्ष की ओर जाने के बाद ओबीसी नेतृत्व के खाली स्थान को भरने के लिए सम्राट चौधरी को आगे किया। उन्होंने कुर्मी और कुशवाहा—दो समुदायों के "लव-कुश" समीकरण को भाजपा के पक्ष में मोड़कर पार्टी को लाभ पहुंचाया। यह भाजपा की रणनीति का मूल स्तंभ बन गया।

संगठनात्मक और वैचारिक सामंजस्य

भाजपा का कोर वोटर अनुशासन, विचारधारा और संगठन को अत्यधिक महत्व देता है। सम्राट चौधरी ने भाजपा की सेवा, संगठन और संकल्प—इन तीन मूलभूत अवधारणाओं को आत्मसात कर स्वयं को पार्टी की मुख्यधारा के साथ जोड़ा है। उनकी संगठनात्मक समझ और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद उन्हें पार्टी के आंतरिक ढांचे में स्थायी जगह देता है।

आक्रामक नेतृत्व और सशक्त संचार कौशल

सम्राट चौधरी की राजनीतिक शैली आक्रामक, स्पष्ट और प्रत्यक्ष है। वे मंचों और मीडिया दोनों पर विपक्ष पर तीखे हमले करते हुए भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूती से रखते हैं। चुनावी समय में उनकी लगातार सक्रियता और पैनी बयानबाजी उन्हें भाजपा समर्थकों के बीच लोकप्रिय बनाती है। यह राजनीतिक आक्रामकता भाजपा की मौजूदा शैली के अनुरूप है।

सम्राट चौधरी की सियासी रणनीतियाँ

1. जातीय समीकरण को केंद्र में रखते हुए राजनीति का विस्तार

उन्होंने ओबीसी समुदाय, विशेषकर कुशवाहा वोट बैंक को भाजपा से जोड़ने में निर्णायक भूमिका निभाई है। "लव-कुश" गठजोड़ के माध्यम से उन्होंने भाजपा को पारंपरिक जदयू आधारित वोटों में सेंध लगाने की क्षमता दी।

2. संगठनात्मक क्षमता और स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करना

सम्राट चौधरी संगठन के भीतर संवाद, समन्वय और स्थानीय नेताओं को सक्रिय रखने में सक्षम हैं। उन्होंने बिहार के कई क्षेत्रों में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया, जिसका सीधा प्रभाव 2025 के विधानसभा चुनाव परिणामों में दिखाई दिया।

3. प्रभावी संचार और जनसंपर्क

चुनावी सभाओं, मीडिया बयानों और जनसंपर्क अभियानों में उनका प्रदर्शन चुस्त और आक्रामक रहा है। इससे वे भाजपा के प्रभावी

प्रवक्ता और भीड़ को आकर्षित करने वाले नेता के रूप में स्थापित हुए हैं।

4. गठबंधन राजनीति और सहयोगियों से तालमेल

उन्होंने एनडीए के विभिन्न घटक दलों के बीच तालमेल बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ओबीसी वर्ग से आने वाले नेताओं को उपयुक्त प्रतिनिधित्व दिलाने में भी उनकी सक्रियता देखी गई है।

5. क्षेत्रीय विकास पर फोकस

तारापुर और मुँगेर क्षेत्र में विकास योजनाओं, सड़क, शिक्षा और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देकर उन्होंने अपने राजनीतिक आधार को मजबूत किया। यह काम उनकी लोकप्रियता को बढ़ाने में निर्णायक रहा।

कुशवाहा समाज में उनका प्रभाव और नई राजनीतिक दिशा

कुशवाहा समाज में सम्राट चौधरी की पकड़ उपेंद्र कुशवाहा जैसे नेताओं से अधिक प्रभावी बन गई है। भाजपा ने 23 कोईरी उम्मीदवार उतारकर इस वोट बैंक को मजबूत किया और इनमें से अधिकतर ने जीत हासिल की। यह भाजपा की जातीय रणनीति की सफलता और सम्राट की नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। वहीं महागठबंधन द्वारा 13 कोईरी उम्मीदवार उतारे जाने के बावजूद इस वोट बैंक का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर झुका रहा। ताजा चुनाव परिणामों में सम्राट चौधरी की बड़ी जीत ने यह साबित किया कि वे ओबीसीज की मजबूत पसंद बन चुके हैं।

भाजपा में सम्राट चौधरी का बढ़ता प्रभाव

सम्राट चौधरी अभी भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व या संघ की मूल धारा में शीर्ष स्तर पर नहीं हैं, लेकिन बिहार भाजपा में उनकी भूमिका निर्णायक बन चुकी है। विधायक दल का नेता चुना जाना एक बड़ा संकेत है। वे भाजपा की ओबीसी राजनीति के सबसे प्रभावी चेहरे बन चुके हैं, और आगे केंद्रीय नेतृत्व भी उन्हें बड़े मंच पर स्थान दे सकता है।

भविष्य की राजनीतिक संभावनाएँ और चुनौतियाँ

संभावनाएँ

"लव-कुश" समीकरण पर मजबूत पकड़

भाजपा के लिए ओबीसी विस्तार का नेतृत्व

गठबंधन राजनीति में उपयोगी भूमिका

भविष्य में बड़े दायित्व पाने की संभावना

चुनौतियाँ

भाजपा की वैचारिक धारा में पूर्ण स्वीकार्यता

पार्टी में नए चेहरों का उभार

बिहार की जातीय राजनीति में तेज़ी से बदलते समीकरण

फिर भी, यदि सम्राट चौधरी अपनी संगठनात्मक पकड़ और जातीय प्रभाव को और बढ़ाते हैं, तो वे भविष्य में बिहार भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में स्थायी स्थान बना सकते हैं।

अनुच्छेद 280 का पुनर्पाठ: राजकोषीय सुराज से स्वराज की नई राह

पंकज जायसवाल

बजट 2026 की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं और वित्तीय ढाँचे को लेकर राष्ट्रीय विमर्श अपने चरम पर है। ऐसे समय में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 की आत्मा का पुनर्पाठ अत्यंत आवश्यक हो जाता है। यह अनुच्छेद भारत की संघीय संरचना में वित्तीय संतुलन, न्यायसंगत कर-वितरण और केंद्र-राज्य संबंधों की वित्तीय दिशा को निर्धारित करता है। संविधान निर्माताओं ने इस अनुच्छेद को केवल तकनीकी प्रावधान के रूप में नहीं, बल्कि संघीय लोकतंत्र के स्थायी स्तंभ के रूप में तैयार किया था। इसलिए बजट प्रक्रिया में प्रवेश करने से पहले इस प्रावधान की भावना और उसके द्वारा निर्देशित सुधारों पर चर्चा की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है।

अनुच्छेद 280 का मूल तत्व और वित्त आयोग की भूमिका

अनुच्छेद 280 के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति प्रत्येक पाँच वर्ष में एक स्वतंत्र वित्त आयोग का गठन करते हैं। आयोग का दायित्व केवल कर-संग्रह और खर्च के आंकड़ों का विश्लेषण करना भर नहीं है, बल्कि यह देश की संपूर्ण वित्तीय संरचना का परीक्षण करके ऐसा संतुलन सुनिश्चित करता है कि केंद्र और राज्य दोनों को अपने कार्य और विकास दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन मिलें।

वित्त आयोग केंद्र द्वारा एकत्र किए गए करों में राज्यों की हिस्सेदारी तय करता है, राज्यों को अनुदान की सिफारिश करता है, और उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के उपाय सुझाता है। बदलती आर्थिक परिस्थितियों, राज्यों के आर्थिक असमानताओं और राष्ट्रीय विकास की चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करने का यह दायित्व अत्यंत जटिल है, पर यही अनुच्छेद 280 की शक्ति भी है।

सबसे महत्वपूर्ण यह कि यह प्रक्रिया राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रहती है, क्योंकि वित्त आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। उसकी सिफारिशें सीधे राष्ट्रपति को प्रस्तुत की जाती हैं और फिर केंद्र सरकार इनके आधार पर अंतिम निर्णय लेती है। इस प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता ही भारत की संघीय संरचना को स्थिर बनाए रखती है।

सहकारी संघवाद की दिशा में अब तक की यात्रा

वर्तमान सरकार ने अपने पहले कार्यकाल से ही सहकारी संघवाद को मजबूती देने पर जोर दिया है। राज्यों को अधिक वित्तीय अधिकार, GST परिषद का सुदृढ़ीकरण, और प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा देना इसी दिशा के सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन यदि भारत की बहुस्तरीय शासन प्रणाली को देखें—केंद्र, राज्य, पंचायतें, नगरपालिकाएँ और छठी अनुसूची के क्षेत्र—तो यह स्पष्ट होता है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सांसद और विधायक विधायी स्तर पर नीतियाँ बनाते हैं, परंतु गांव-कस्बे में वास्तविक "विकास" की जिम्मेदारी स्थानीय निकायों पर होती है। इन निकायों को वित्तीय अधिकार और बजट पर्याप्त मात्रा में न मिलने से जमीनी प्रशासन अक्सर अधर में लटका रहता है। कर स्थानीय क्षेत्रों से एकत्र होते हैं, ऊपर जाते हैं और फिर लंबी नौकरशाही प्रक्रिया के बाद पुनर्वितरण के रूप में वापस आते हैं। इस चक्र में अक्सर पंचायतें अपनी जरूरतों के अनुपात में धन नहीं प्राप्त कर पातीं, जबकि कर योगदान तो उन्हीं के क्षेत्र से आया होता है।

स्थानीय निकायों की वित्तीय आत्मनिर्भरता—सबसे बड़ी कमी

भारत की दो प्रमुख कर प्रणालियाँ—

. प्रत्यक्ष कर (आयकर)

2. अप्रत्यक्ष कर (GST)

इनमें स्थानीय निकायों की कोई प्रत्यक्ष हिस्सेदारी नहीं है। जबकि करदाता गांव, कस्बों और नगरों में रहते हैं और इन्हीं स्थानों का विकास प्राथमिक जिम्मेदारी के रूप में स्थानीय निकायों पर होता है। यह विसंगति लोकतांत्रिक ढाँचे में निरंतर वित्तीय असंतुलन पैदा करती है।

स्थानीय स्तर पर कर-संग्रह और व्यय का सीधा संबंध न होने के कारण नागरिकों में यह समझ विकसित नहीं हो पाती कि उनके द्वारा दिया गया कर उनके ही क्षेत्र के विकास में किस प्रकार उपयोग किया गया। इससे कर-अनुपालन भी प्रभावित होता है और नागरिक सहभागिता भी कमजोर होती है।

इस समस्या का समाधान है—

हैस्थानीय निकायों और नागरिकों को प्रत्यक्ष राजकोषीय भागीदारी देना,

यानी कर-आधारित जनभागीदारी पर आधारित एक नया मॉडल।

कर-आधारित जनभागीदारी शासन: बदलती दुनिया की आवश्यकता

वर्तमान कर-साझेदारी संरचना सिर्फ दो स्तरों—केंद्र और राज्य—तक सीमित है। सबसे नीचे की सरकार—the Local Governments—पूरी तरह बाहर हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए एक नया मॉडल प्रस्तुत किया जा सकता है जिसमें नागरिक सीमित और नियंत्रित सीमा में अपने कर का छोटा हिस्सा अपनी पंचायत, नगरपालिका या किसी स्वीकृत स्थानीय परियोजना में प्रत्यक्ष दे सकें। इसे सरकार उनके अंतिम कर दायित्व में समायोजित कर दे।क्ष यह मॉडल भारत जैसे विशाल लोकतंत्र के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकता है। इससे करदाता को यह स्पष्ट अनुभूति होगी कि उसका योगदान सीधे उसके क्षेत्र के विकास में लगा है। इससे कर-अनुपालन में सुधार होगा और स्थानीय स्तर पर संसाधनों की कमी भी दूर होगी।

यह मॉडल कैसे काम करेगा?

सरकार इसे चरणबद्ध तरीके से लागू कर सकती है:

1. पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ पंचायतों और स्वायत्त परिषदों में शुरू किया जाए।

यहाँ नागरिक, प्रवासी, स्थानीय उद्यमी—सभी अपने कर का एक प्रतिशत स्थानीय विकास परियोजनाओं में डाल सकेंगे।

2. नागरिक यदि 5%–10% तक का योगदान करें, तो उनके कुल कर दायित्व में यह राशि समायोजित हो।

उदाहरण:

किसी नागरिक का कर-दायित्व ₹10,000 है।

वह पंचायत की स्वीकृत परियोजना में ₹5,000 योगदान देना चाहता है।

सीमा 10% है तो केवल ₹1,000 कर के रूप में समायोजित होंगे।

अतिरिक्त ₹4,000 सरकार के विवेकाधीन राजस्व में शामिल होंगे।

इससे न राज्य को नुकसान होगा, न केंद्र को।

3. यदि पंचायत को अपेक्षा से अधिक धन मिले तो अधिशेष वापस केंद्र/राज्य को भेजा जा सकता है।

इससे वित्तीय संतुलन और नियंत्रण बना रहेगा।

4. यह मॉडल आयकर के साथ-साथ GST पर भी लागू किया जा सकता है।

GST के स्थान-आधारित सिद्धांत (Destination-based tax) को देखते हुए यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि उपभोग के स्थान—यानी स्थानीय निकाय—को भी उसका लाभ मिले।

5. इसे 80G या CSR ढांचे के साथ जोड़कर आकर्षक बनाया जा सकता है।

नया मॉडल क्या लाभ देगा?

1. पंचायतों की वित्तीय स्वायत्तता बढ़ेगी

उन्हें विकास परियोजनाओं के लिए सरकार पर पूर्ण निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

2. कर-संग्रह बढ़ेगा

क्योंकि करदाता सीधे प्रतिफल देखेगा—सड़क, पानी, पार्क, सीवर आदि।

3. लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी

गाँवों और नगरों में भागीदारी आधारित शासन विकसित होगा।

4. सहकारी संघवाद की नई व्याख्या मिलेगी

अब संघवाद केवल केंद्र-राज्य तक सीमित न रहकर "केंद्र-राज्य-स्थानीय" तीन स्तरीय होगा।

5. प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी

क्योंकि नागरिक अपनी ही दी गई राशि का उपयोग देखेंगे।

6. Nudge Theory का प्रभावी उपयोग होगा

करदाता को प्रेरित किया जाएगा, दबाव नहीं डालना पड़ेगा।

अनुच्छेद 280 और स्वराज—एक नई व्याख्या

अनुच्छेद 280 को यदि उसके व्यापक उद्देश्य के साथ पढ़ा जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इसका लक्ष्य केवल केंद्र-राज्य के बीच संसाधन वितरण तय करना नहीं, बल्कि संपूर्ण संघीय व्यवस्था को न्यायपूर्ण और सुचारु बनाना है। इसलिए आने वाले समय में वित्त आयोग अपनी सिफारिशों में "स्थानीय निकायों के प्रत्यक्ष वित्तीय अधिकार" जैसे मुद्दों पर विचार कर सकता है।

यह केवल तकनीकी सुधार नहीं होगा, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आधार को और मजबूत करेगा।

गाँधीजी के 'सुराज' की अवधारणा और स्थानीय स्वराज्य की उनकी कल्पना इसी मॉडल के माध्यम से वास्तविक रूप ले सकती है।

निष्कर्ष: राजकोषीय सुराज से वास्तविक स्वराज

यदि नागरिक अपने कर योगदान का छोटा हिस्सा भी अपनी पंचायत या नगरपालिका की परियोजनाओं में सीधे लगा सकें, तो प्रशासनिक पारदर्शिता, वित्तीय दक्षता और स्थानीय स्तर पर विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी।

यह कदम भारत के संघीय ढाँचे को तीन स्तरों—केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकार—में संतुलित और न्यायपूर्ण बनाएगा।

अनुच्छेद 280 का पुनर्पाठ दर्शाता है कि भारत की वित्तीय संरचना को जमीनी और नागरिक-आधारित बनाना अब अनिवार्य है।

यह मॉडल न केवल सहकारी संघवाद को मजबूत करेगा बल्कि भारत को राजकोषीय सुराज से वास्तविक स्वराज की दिशा में ले जाएगा।

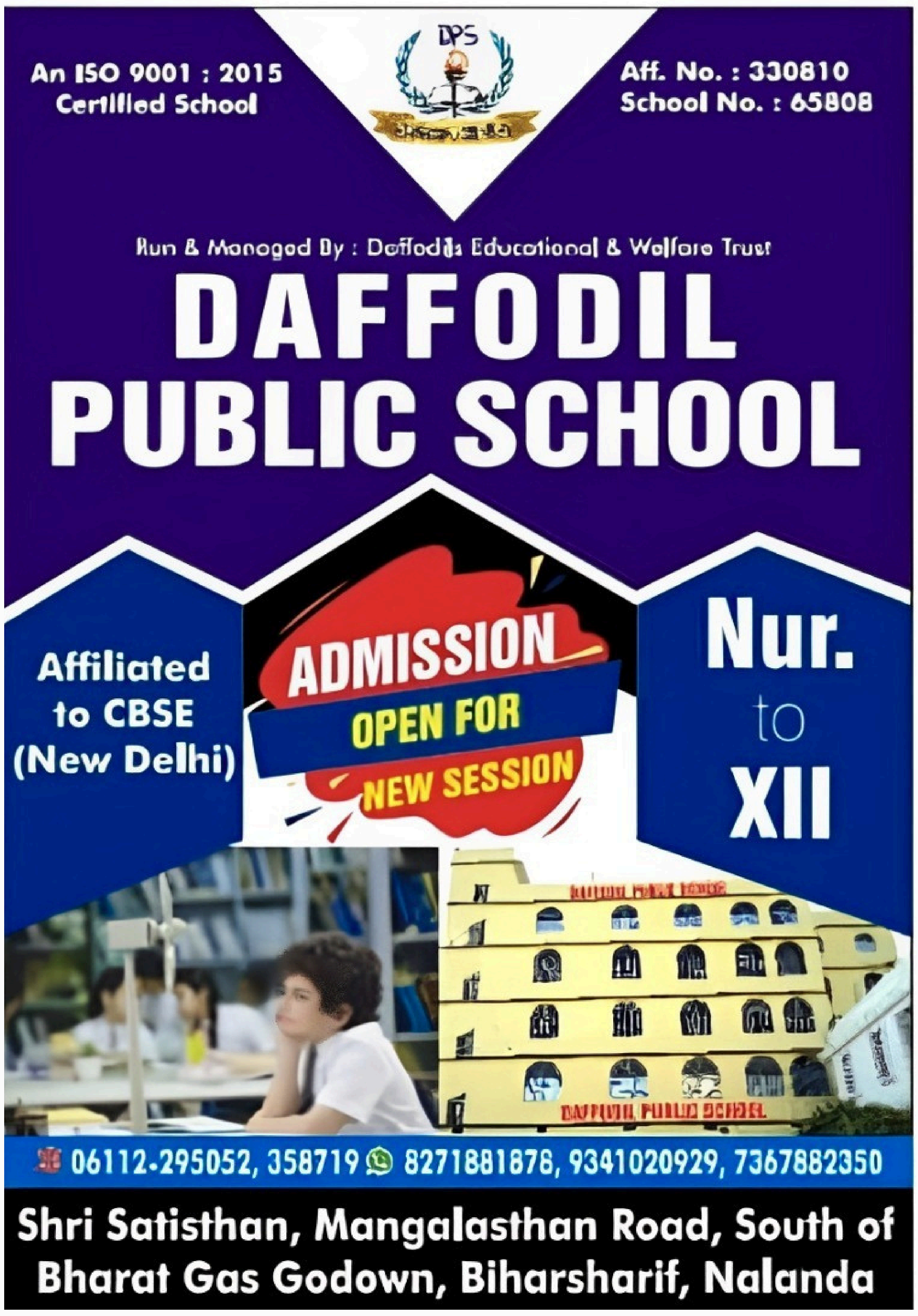

अपना नालंदा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

कस्तूरबा विद्यालय में गुड टच-बैड टच और पोस्को पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, राजगीर में आइडिया संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा छात्राओं को गुड टच-बैड टच और पोस्को एक्ट के बारे में जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी जानकारियों से सशक्त बनाना था, ताकि वे किसी भी प्रकार के शारीरिक या मानसिक शोषण से स्वयं को सुरक्षित रख सकें।

कार्यक्रम में बच्चियों को सरल भाषा में बताया गया कि कौन-सा स्पर्श सही है और कौन-सा गलत, और ऐसी किसी स्थिति में उन्हें तुरंत किससे संपर्क करना चाहिए। प्रशिक्षकों ने बताया कि जागरूकता ही बच्चों को सुरक्षित रखने का सबसे सशक्त माध्यम है।

साथ ही छात्राओं को पोस्को एक्ट यानी बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से जुड़े किसी भी प्रकार के यौन अपराध पर कड़ी सजा का प्रावधान करता है। बच्चियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की अनुचित हरकत, धमकी, स्पर्श या मानसिक उत्पीड़न भी कानूनन अपराध है।

विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम को छात्राओं और शिक्षकों ने अत्यंत उपयोगी बताया। बच्चों को यह भी बताया गया कि यदि वे किसी प्रकार का शोषण महसूस करती हैं तो बिना डर के शिक्षक, वार्डन, माता-पिता या चाइल्ड हेल्पलाइन से संपर्क करें।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं और शिक्षकों को बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में आइडिया संस्था के मंटू कुमार, विवेक, आश्विन, गंगोत्री, सुशीला देवी तथा विद्यालय की वार्डन रश्मि कुमारी उपस्थित रहीं।

मगध कॉलोनी की टूटी सड़क से बढ़ रही दिक्कतें, हादसों का खतरा कायम

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 19 स्थित मगध कॉलोनी की टूटी और जर्जर गली लोगों के लिए हादसों का कारण बनती जा रही है। स्थानीय निवासियों ने कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। मोहल्ले के दिनेश कुमार सिन्हा, कुमार गोपाल, विशाल रजक, अरुण कुमार वर्मा, राजा कुमार, अंजु माला, पिंटू कुमार, लखन प्रसाद, आदित्य रॉय और कृष्ण पंडित सहित कई लोगों ने संयुक्त रूप से नगर निगम में आवेदन देकर गली की मरम्मत की मांग की है।

दिए गए आवेदन में बताया गया है कि महादेव महतो के घर से लेकर सीताराम प्रसाद के घर तक की सड़क एवं नाली पूरी तरह जर्जर होचुकी है। गली की नाली तीन से चार स्थानों पर टूट गई है, जिसके कारण पानी का बहाव अवरुद्ध हो जाता है और गंदगी फैलने लगती है। इसी कारण रोजाना बाइक सवार फिसलकर घायल हो रहे हैं। वहीं, पैदल चलने वाले कई बुजुर्ग भी गिरकर चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायत देने के बाद भी नगर निगम की ओर से अब तक कोई पहल नहीं की गई है। लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, क्योंकि गली की स्थिति दिन-प्रतिदिन और खराब होती जा रही है। मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया तो किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

निवासियों ने नगर निगम प्रशासन से तुरंत जर्जर गली की मरम्मत कराकर राहत देने की मांग की है।

पीएफ कटौती विरोध में हिलसा सफाई कर्मियों ने नगर परिषद में जड़ा ताला

हिलसा (अपना नालंदा)। नगर परिषद हिलसा के सफाई कर्मियों ने एजेंसी द्वारा पिछले आठ महीनों से मनमानी तरीके से पीएफ कटौती किए जाने के विरोध में गुरुवार को हड़ताल शुरू कर दी। नाराज सफाई कर्मियों ने नगर परिषद कार्यालय में ताला जड़कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध में शामिल रवि डोम, अशोक डोम, सुनील डोम, छोटू डोम, ववन डोम, सरोज देवी, गुड्डी देवी, गीता देवी, बसंती देवी, सनी कुमार, रवि रंजन कुमार, पंकज कुमार, टिंकू कुमार, राहुल कुमार, अमित कुमार और जितेंद्र कुमार सहित अन्य कर्मियों ने बताया कि एजेंसी लेबर, ड्राइवर और सुपरवाइजर के पीएफ में मनमानी कटौती कर रही है। किसी से ज्यादा तो किसी से कम राशि काटी जा रही है।

कर्मियों ने आरोप लगाया कि 35, 38 और 39 दिनों की ड्यूटी करने के बावजूद एजेंसी केवल 26 दिन का ही भुगतान करती है। इसी भेदभाव और जबरन कटौती से नाराज होकर सभी सफाईकर्मी बेमियादी हड़ताल पर चले गए। उन्होंने मांग की कि उनके सभी महीनों का पीएफ कैश में दिया जाए।

हड़ताल पर कोई पहल नहीं होने पर शाम में सफाई कर्मियों ने नगर परिषद कार्यालय में ताला लगा दिया।

इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी रविशंकर कुमार ने कहा कि पीएफ कटौती को लेकर सफाई कर्मी हड़ताल पर गए हैं। कर्मियों और एजेंसी प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। यदि गलत कटौती की गई है तो एजेंसी से भुगतान करवाया जाएगा।

हड़ताल के पहले ही दिन नगर परिषद क्षेत्र की गलियों और मोहल्लों में कूड़े के ढेर लग गए, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बस विलंब से नाराज ग्रामीणों ने चैनपुर के पास NH30A किया जाम

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र के सरथा पंचायत के चैनपुर गांव के पास गुरुवार सुबह लगभग 7 बजे ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए NH30A को जाम कर दिया। जाम के कारण करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतार लग गई।

ग्रामीणों ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना के गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए जीविका से जुड़ी महिलाओं और अन्य ग्रामीणों को बस से ले जाने की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए उन्हें सुबह चैनपुर गांव के पास सड़क किनारे इकट्ठा होने के लिए कहा गया था।

ग्रामीणों का कहना है कि तय समय पर बस नहीं पहुंची, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई। धीरे-धीरे भीड़ ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और देखते ही देखते NH30A पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

सूचना मिलते ही हरनौत थाना और बेना थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने में जुट गई। पुलिस के आश्वासन और समझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए और जाम हटाया गया।

विरोध कर रही जीविका समूह की कुछ महिलाओं ने कहा कि उन्हें चैनपुर, पासवान नगर, निमाकोल और बहादुरपुर गांव से बुलाया गया था, लेकिन बस समय पर नहीं आने से सभी परेशान हो गए। उनका कहना था कि कई महिलाओं और ग्रामीणों को तेज धूप और असुविधा का सामना करना पड़ा।सड़क जाम के दौरान यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी और कई लोग अपने गंतव्य तक देर से पहुंचे।

हिलसा में कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण पर मनाया जश्न

हिलसा (अपना नालंदा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही हिलसा में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। गुरुवार की शाम शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद हिलसा के दुर्गा स्थान, मोमीनपुर गांव और चिकसौरा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इज़हार किया। कार्यकर्ताओं में उमंग और उल्लास ऐसा था मानो वे इस ऐतिहासिक क्षण को बिहार में नए राजनीतिक युग की शुरुआत के रूप में देख रहे हों।

इस अवसर पर भाजपा के जिला प्रवक्ता गौरव प्रकाश, हिलसा पूर्वी भाजपा मंडल अध्यक्ष आशुतोष कुमार गौरी और हिलसा पश्चिमी भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि आज का दिन बिहार की राजनीति में स्थिरता, सुशासन और विकास के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार को प्रगति की नई ऊँचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नेताओं ने यह भी कहा कि सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा जैसे अनुभवी नेताओं का उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालना राज्य के विकास मॉडल को और मजबूत करेगा। गौरव प्रकाश ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि वे बिहार के भविष्य को नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा देने के लिए पूरी ताकत से तैयार हैं।

स्वच्छता दिवस पर बीडीओ ने कर्मियों को सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नूरसराय जियाउल हक के निर्देशानुसार स्वच्छता से जुड़े सभी कर्मियों और पर्यवेक्षकों द्वारा स्वच्छता उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संसाधन सेवी सह प्रखंड समन्वयक नूरसराय ने की।

इस अवसर पर कार्यालय परिसर में विशेष स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता पर्यवेक्षक, स्वच्छता कर्मी तथा संबंधित विभागीय टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता को लेकर सामूहिक प्रेरणा दी गई तथा लोगों को शौचालय उपयोग, गंदगी मुक्त वातावरण और प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूक किया गया। उपस्थित सभी कर्मियों एवं अधिकारियों ने सामूहिक स्वच्छता शपथ ली, जिसमें गांव और पंचायतों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित रखने का संकल्प शामिल था।

बीडीओ जियाउल हक ने बेहतर कार्य कर रहे स्वच्छता कर्मियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मी गांव-समाज के वास्तविक नायक हैं, जो मेहनत और समर्पण के साथ स्वच्छ वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनकी सेवाओं से ही स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को मजबूती मिलती है।अधिकारियों ने बताया कि विश्व शौचालय दिवस केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर है। इस दौरान पिट खालीकरण, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त अभियान और व्यक्तिगत स्वच्छता पर भी विशेष चर्चा की गई।

कार्यक्रम में कई स्वच्छता पर्यवेक्षक, स्वच्छता दूत और कर्मी मौजूद थे

नीतीश कुमार की दसवीं शपथ पर कल्याण बिगहा में जश्न की लहर

हरनौत (अपना नालंदा)। गुरुवार का दिन पूरे बिहार के लिए ऐतिहासिक बन गया, क्योंकि नालंदा के सपूत नीतीश कुमार ने पटना के गांधी मैदान में 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण के साथ ही हरनौत प्रखंड और उनके पैतृक गांव कल्याण बिगहा में उत्सव जैसा माहौल देखा गया। ग्रामीणों और समर्थकों ने आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया।कल्याण बिगहा स्थित कविराज राम लखन सिंह स्मृति वाटिका में मुख्यमंत्री की माता परमेश्वरी देवी, पिता स्वर्गीय राम लखन सिंह तथा पत्नी स्वर्गीय मंजू देवी की आदमकद प्रतिमा पर ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर अपनी शुभकामनाएँ दीं। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं, राज्य का विकास रुकने वाला नहीं है। कई ग्रामीणों ने उन्हें 'विकास पुरुष' और 'भगवान का अवतार'तक बताया। ग्रामीणों का कहना था कि जैसे अयोध्या लौटने पर भगवान राम का स्वागत दीप जलाकर हुआ था, वैसे ही मुख्यमंत्री की 10वीं शपथ पर पूरे गांव में जश्न मनाया गया। युवाओं ने विश्वास जताया कि नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने के बाद रोजगार, पलायन और युवा समस्याओं पर विशेष ध्यान देंगे।

बिहार की जनता ने सुशासन, विकास और सुरक्षा के नाम पर इस बार प्रचंड जनादेश दिया है, जिससे लोगों में अपार उत्साह देखा गया। गांव में डीजे की धुन पर लोग झूमते नजर आए। इस अवसर पर विधायक हरिनारायण सिंह, जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार, प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार, रौशन, मुकेश, टुनटुन, बंटी सहित कई नेताओं ने मुख्यमंत्री को बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

नीतीश के दसवीं बार सीएम बनने पर एखलाक अहमद ने दी बधाई

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गुरुवार को नीतीश कुमार ने पटना में दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण की खबर मिलते ही पूरे नालंदा जिले में उत्साह और खुशी की लहर फैल गई। लोगों ने इस ऐतिहासिक पल को गर्व और उम्मीद की नई किरण के रूप में देखा।

विधान पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद एखलाक अहमद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुनः पदभार संभालने पर बधाई देते हुए कहा कि बिहार के विकास और सुशासन की पहचान नीतीश कुमार के नेतृत्व से बनी है। उन्होंने कहा कि कभी जंगलराज कहा जाने वाला बिहार आज सुरक्षित, विकसित और प्रगतिशील राज्य के रूप में देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। पिछले दो दशकों में राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ऊर्जा, कृषि और पर्यटन के क्षेत्रमें उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। एखलाक अहमद ने नालंदा से मंत्री बने श्रवण

कुमार को भी शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनके नेतृत्व में नालंदा और राजगीर को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नालंदा जिले के अधूरे विकास कार्य अब और तेजी से पूरे होंगे तथा जिले को नई ऊँचाइयां मिलेंगी।

नालंदा के लोगों ने नीतीश कुमार की दसवीं पारी को विकास के नए अध्याय की शुरुआत बताया। जिले भर में आम लोगों और जनप्रतिनिधियों में भविष्य को लेकर सकारात्मक उम्मीदें देखी गईं।

मनरेगा से बने 138 खेल मैदान नवंबर तक विभागों को होंगे हस्तांतरित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में मनरेगा के तहत निर्मित खेल मैदानों को संबंधित विभागों को हैंडओवर करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मनरेगा से नालंदा जिले में कुल 159 खेल मैदान बनाने का लक्ष्य निर्धारित था, जिसमें से 138 मैदानों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। जबकि शेष 21 मैदान अंतिम चरण में हैं। मनरेगा डीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि जिले में विद्यालय परिसरों के साथ-साथ पंचायत स्तर पर बड़े पैमाने पर खेल मैदानों का विकास किया गया है, जिन्हें इस माह के अंत तक विभागों को सौंप दिया जाएगा।

डीपीओ ने बताया कि खेल मैदानों के हस्तांतरण से इनके नियमित रख-रखाव और उपयोगिता सुनिश्चित हो सकेगी। विद्यालय परिसर में बने खेल मैदान विद्यालय प्रशासन को तथा पंचायतों में निर्मित मैदान संबंधित पंचायत सरकार को सौंपे जाएंगे। मनरेगा के तहत तीन प्रकार के मैदान विकसित किए गए हैं, जिनमें बड़े आकार के मैदान लगभग 4 एकड़ भूमि पर बनाए गए हैं। ऐसे 14 बड़े मैदान पूरे जिले में तैयार किए गए हैं।

इन मैदानों में बास्केटबॉल व बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट पिच और खिलाड़ियों के बैठने के लिए चबूतरा भी बनाया गया है। डीपीओ ने बताया कि गांवों में खेल मैदान की कमी के कारण खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पाते थे, जिससे उनकी प्रतिभा निखर नहीं पाती थी।

जनता दरबार में जिलाधिकारी ने 13 मामलों का त्वरित समाधान निर्देशित किया”

संजय कुमार

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित दैनिक जनता दरबार में गुरुवार को प्रभारी जिलाधिकारी दीपक मिश्रा ने कुल 13 आवेदकों की समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पहले मामले में एक आवेदक ने बिजली बिल अधिक आने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल (ग्रामीण), बिहारशरीफ को तत्काल जाँच कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। दूसरी शिकायत प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने से संबंधित थी। इस पर जिलाधिकारी ने उप विकास आयुक्त, नालंदा को मामले का जल्द समाधान करने का निर्देश दिया।

एक अन्य आवेदक ने अपनी रैयती भूमि पर दबंगों द्वारा जबरन सड़क निर्माण की शिकायत की। इस पर प्रभारी जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी, बिहारशरीफ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।इसी तरह, जमीन को गलत तरीके से बेचने से जुड़े एक मामले में भूमि सुधार उप समाहर्ता, बिहारशरीफ को जाँच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। घर-जमीन पर जबरन कब्जा और मारपीट की शिकायत पर जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी और अंचलाधिकारी, बिहारशरीफ को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने का आदेश दिया।अन्य आवेदनों पर भी प्रभारी जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को शीघ्र समस्या समाधान हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और न्यायसंगत निपटारा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नव नालंदा महाविहार का 75वां स्थापना दिवस केंद्रीय मंत्री शेखावत के उद्घाटन संग सम्पन्न

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। विश्वप्रसिद्ध नव नालंदा महाविहार का 75 वां स्थापना दिवस गुरुवार को उत्साह, भव्यता और सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन भारत सरकार के पर्यटन एवं कला-संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने महाविहार की ऐतिहासिक विरासत और बिहार की समृद्ध बौद्ध संस्कृति की महिमा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नव नालंदा महाविहार भारतीय ज्ञान-परंपरा और शोध का अनोखा केंद्र है, जहां से शिक्षा और संस्कृति की अनमोल धरोहर वैश्विक स्तर पर प्रसारित हो रही है। उन्होंने भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को स्मरण करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी प्रयासों से स्थापित यह संस्थान आज शिक्षा और संस्कार की नई गाथा लिख रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि विभिन्न भाषाओं, बौद्ध दर्शन और एशियाई अध्ययन के क्षेत्र में महाविहार देश-विदेश के छात्रों के लिए प्रमुख आकर्षण बना हुआ है।

स्थापना दिवस समारोह में कुलपति, प्राध्यापकगण, देशभर से आए विद्वान, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। परिसर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम के वातावरण को और अधिक जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने पारंपरिक नृत्य, सामूहिक वंदना और बौद्ध संस्कृति पर आधारित विभिन्न मंचन के माध्यम से अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। साथ ही बौद्ध अध्ययन से संबंधित प्रदर्शनी और शोध-विषयों पर आधारित विशेष सत्र भी आयोजित किए गए।

अंत में महाविहार प्रशासन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार प्रकट करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोग हेतु धन्यवाद दिया।

गोनावा निवासी लापता टेकन रविदास का शव पंचाने नदी में मिला

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड के गोनावा निवासी टेकन रविदास, उम्र लगभग 50 वर्ष, का शव बुधवार को पंचाने नदी से बरामद किया गया। वे मंगलवार शाम करीब 6 बजे घर से नदी की ओर गए थे, जिसके बाद से ही लापता थे। देर रात तक उनके घर नहीं लौटने परपरिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। उनके बेटे नीतीश कुमार (27 वर्ष) ने बताया कि खोजबीन के दौरान नदी किनारे पिता की चप्पल और गमछा मिला, जिससे अनहोनी की आशंका गहरा गई। परिजन और ग्रामीण रातभर उनकी खोज में लगे रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

नालंदा विश्वविद्यालय सभ्यता का प्रतीक, केंद्रीय मंत्री शेखावत ने की विशेष सराहना

संजय कुमार
बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय ने गुरुवार को राजगीर स्थित अपने खूबसूरत परिसर में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का भव्य स्वागत किया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने केंद्रीय मंत्री का आत्मीय अभिनंदन किया और उनके सम्मान में एक औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने नालंदा विश्वविद्यालय की वैश्विक प्रतिष्ठा और इसके ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नालंदा केवल एक शिक्षा संस्थान नहीं, बल्कि एक संपूर्ण सभ्यता का प्रतीक है। यह वह पवित्र भूमि है जहां हजारों वर्ष पूर्व ज्ञान की ऐसी अलख जगी थी जिसने पूरी दुनिया को दिशा दी। उन्होंने कहा, “नालंदा किसी शहर या क्षेत्र का नाम भर नहीं है; यह एक ऐसी विरासत है जिसने ज्ञान के साधकों को दिशा दी, अनेक संस्कृतियों को जोड़ा और वैश्विक विचार-धारा को समृद्ध किया। नालंदा का हर पत्थर, हर शिला, हर धरोहर उस महान परंपरा की जीवंतता को आज भी संजोए हुए है।”

मंत्री ने विश्वविद्यालय के छात्रों और शोधकर्ताओं के साथ संवाद किया। बातचीत के दौरान उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत, समकालीन वैश्विक चुनौतियों और नालंदा विश्वविद्यालय की भविष्य-उन्मुख शिक्षा पद्धति पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में ज्ञान की परिभाषा तेजी से बदल रही है और तकनीक के माध्यम से ज्ञान को अधिक सुलभ बनाना समय की मांग है। इसी संदर्भ में उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा लाइब्रेरी के डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और बहुभाषी ज्ञान-स्रोतों के संरक्षण की योजना की सराहना की।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि लाइब्रेरी को दुर्लभ पुस्तकों, डिजिटल संसाधनों, संदर्भ साहित्य और दक्षिण-पूर्व एशियाई भाषाओं के महत्वपूर्ण ग्रंथों से समृद्ध करने का कार्य तेज़ी से जारी है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री शेखावत ने कहा कि भारतीय ज्ञान-परंपराओं का आधुनिक तकनीक के साथ समन्वय भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि AI आधारित प्लेटफॉर्म छात्रों को ज्ञान-भंडार तक अधिक सरल, त्वरित और प्रभावी ढंग से पहुंच प्रदान कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. चतुर्वेदी ने मंत्री के आगमन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए "ज्ञान भारतम" मिशन की उपलब्धियों और विश्वविद्यालय द्वारा प्राचीन नालंदा पुस्तकालय को डिजिटल युग में पुनर्जीवित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय स्थानीय समुदायों और स्कूलों के साथ भी सहभागिता कार्यक्रम चला रहा है, जिससे शिक्षा और समाज के बीच सकारात्मक संबंध मजबूत हो रहे हैं।अंत में अपने प्रेरक संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने छात्रों से कहा कि नालंदा जैसी ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा होना गर्व की बात है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल, समर्पण और नवाचार के साथ विकसित भारत के निर्माण में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएँ।

गुप्त सूचना पर अस्थावां पुलिस ने गैरेज से 445 बोतल शराब जब्त की

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अस्थावां थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की देर शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए गैस गोदाम के पास स्थित एक गैरेज में छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान गैरेज में खड़ी एक वाहन के नीचे कट्टों में छिपाकर रखी गई 445 बोतल विदेशी शराब जब्त की गई, जिसकी कुल मात्रा लगभग 167 लीटर है।

थानाध्यक्ष के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि गैरेज में अवैध शराब की एक बड़ी खेप छुपाकर रखी गई है और इसे किसी ग्राहक या सप्लायर को सौंपने की तैयारी की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की, जिसमें वाहन के नीचे सलीके से छिपाई गई शराब की बोतलें बरामद हुईं। कार्रवाई के दौरान गैरेज संचालक और शराब रखने वाले व्यक्ति मौके से फरार हो गए। पुलिस

ने बताया कि संबंधित लोगों की पहचान कर लीगई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

अस्थावां थाने की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इलाके में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

थानाध्यक्ष ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी स्थान पर अवैध शराब के भंडारण या बिक्री की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

बेटी बचाओ अभियान में पूर्ण टीकाकरण पर बच्चियों व अभिभावक सम्मानित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बेटी बचाओ-बेटी बढ़ाओ अभियान के तहत 20 नवम्बर 2025 को एकंगरसराय प्रखंड सभागार में 2.5 से 3 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियों का संपूर्ण टीकाकरण पूर्ण होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता MOIC डॉ. स्नेह लता वर्मा एवं CDPO कविता कुमारी ने संयुक्त रूप से की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण कराने वाले अभिभावकों को प्रोत्साहित करना था। समारोह में पूर्ण टीकाकरण प्राप्त बच्चियों एवं उनके अभिभावकों को बच्चियों के नाम एक पौधा, फल की टोकरी तथा बेबी किट देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर MOIC डॉ. स्नेह लता वर्मा ने कहा कि संपूर्ण टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है और यह एक स्वस्थ समाज की आधारशिला है। उन्होंने अभिभावकों से समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान CDPO कविता कुमारी एवं महिला विकास निगम की टीम ने अभिभावकों को टीकाकरण, पोषण, स्वच्छता तथा बच्चियों से संबंधित सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही 3 से 5 वर्ष तक के आगामी टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में भी अवगत कराया गया।

पूरे कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना प्रबंधक एवं लैंगिक विशेषज्ञ पूजा कुमारी ने किया। अंत में सभी अभिभावकों ने भविष्य में नियमित स्वास्थ्य जांच, पोषण कार्यक्रम तथा टीकाकरण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

बिहार के लिए ऐतिहासिक दिन: छात्र जदयू की खुशी झूम उठी

अखिलेंद्र कुमार
बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 10वीं बार शपथ ग्रहण करने के बाद पूरे राज्य में जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। इसी खुशी को साझा करने के लिए बिहारशरीफ के हरदेव चौक पर छात्र जदयू नालन्दा इकाई द्वारा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र नेताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर तथा मिठाई खिलाकर अपार हर्ष व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस ऐतिहासिक अवसर के लिए बधाई दी और साथ ही जिले के लोकप्रिय नेता श्रवण कुमार को मंत्रिमंडल में पुनः शामिल किए जाने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

नेताओं ने कहा कि श्रवण कुमार हमेशा कार्यकर्ताओं के सुख-दुःख में साथ खड़े रहते हैं और जिले के गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। वे सम्मान की रक्षा करने और विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखते हैं। उनकी सादगी और कर्मठता ने उन्हें जनता का सबसे प्रिय जनप्रतिनिधि बना दिया है।

नालन्दा जिले में हाल ही में आए चुनाव परिणामों में एनडीए को जबरदस्त जनादेश मिला है, जिसने पूरे जिले में नई ऊर्जा औछात्र और युवा वर्ग ने इस बार बड़ी संख्या में लोकतंत्र की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाईर उत्साह का माहौल बना दिया है। विशेष रूप से और एनडीए के समर्थन में मजबूती से खड़े रहे। जीत के बाद स्थानीय छात्र और युवा नेताओं ने जनता का आभार जताते हुए कहा कि नालन्दा के युवाओं ने लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र जदयू के जिला अध्यक्ष सन्नी पटेल और नगर अध्यक्ष संजीत यादव ने संयुक्त रूप से की। उन्होंने कहा, “नालन्दा के छात्र और युवाओं ने जिस उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ मतदान किया, उससे जिले में लोकतंत्र और विकास की नई उम्मीद जगी है। हम नालन्दा की जागरूक जनता और समर्थकों का दिल से आभार व्यक्त करते हैं।”

मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में बिहार की तस्वीर बदलने का कार्य किया है, जिससे आज राज्य तेजी से विकास की पटरी पर अग्रसर है। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में हुए व्यापक सुधारों ने बिहार को देश के उभरते हुए राज्यों में शामिल किया है। छात्र नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री की नीतियों ने युवाओं को नए अवसर दिए हैं और यही वजह है कि आज युवाओं का समर्थन एनडीए के साथ मजबूती से खड़ा है।

कार्यक्रम में प्रवक्ता विकास वर्मा, आदित्य कुमार, सौरव यादव, पवन शर्मा, सन्नी कुशवाहा, सतीश पटेल, अर्णव आर्या, संजीत महतो, रोहित महतो, विकाश कुमार, राजा कुमार, उमाकांत पासवान, मनीष कुमार, सन्नी महतो सहित कई छात्र नेता उपस्थित रहे।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

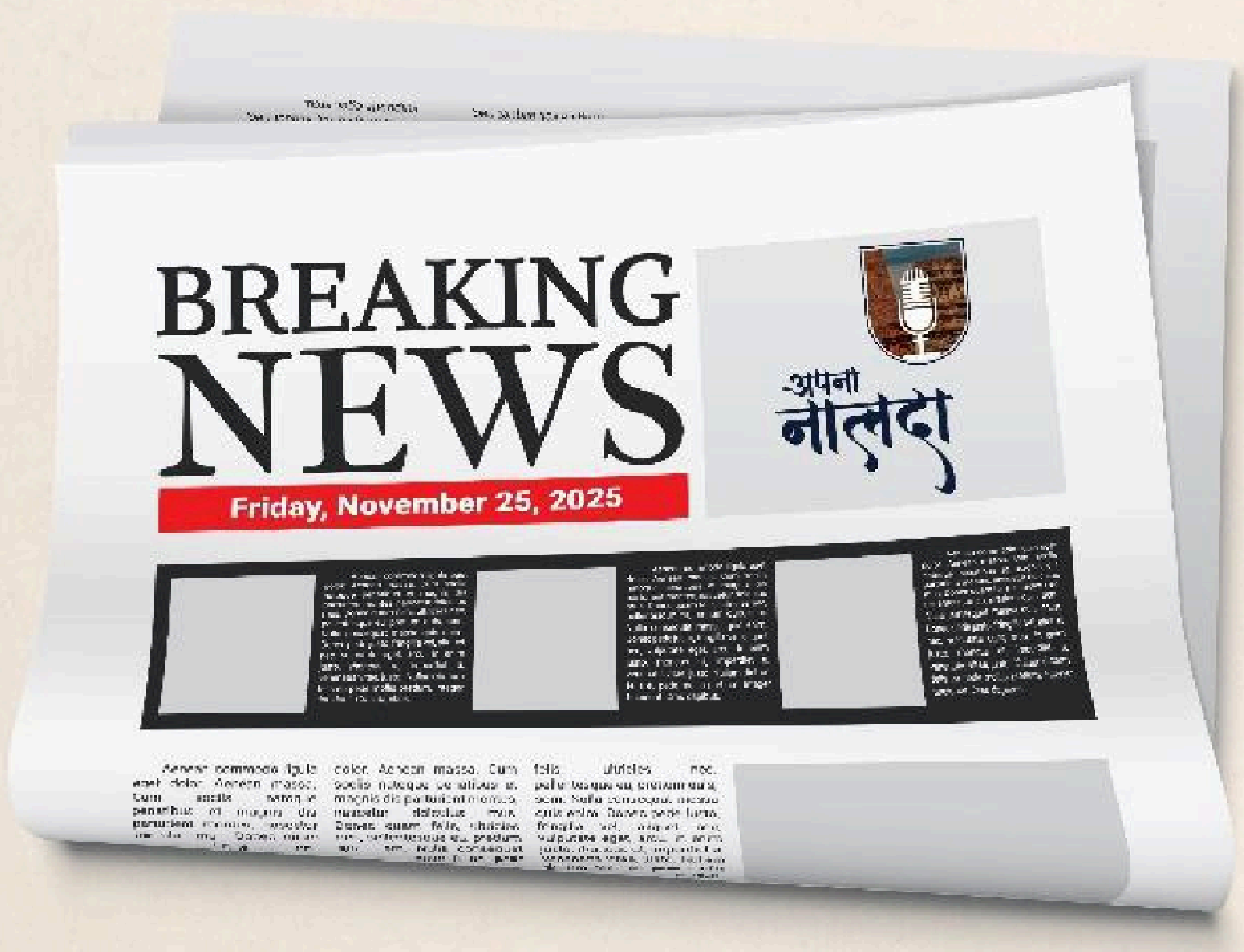

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।